3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

ऐसा था

जन-गण-मन

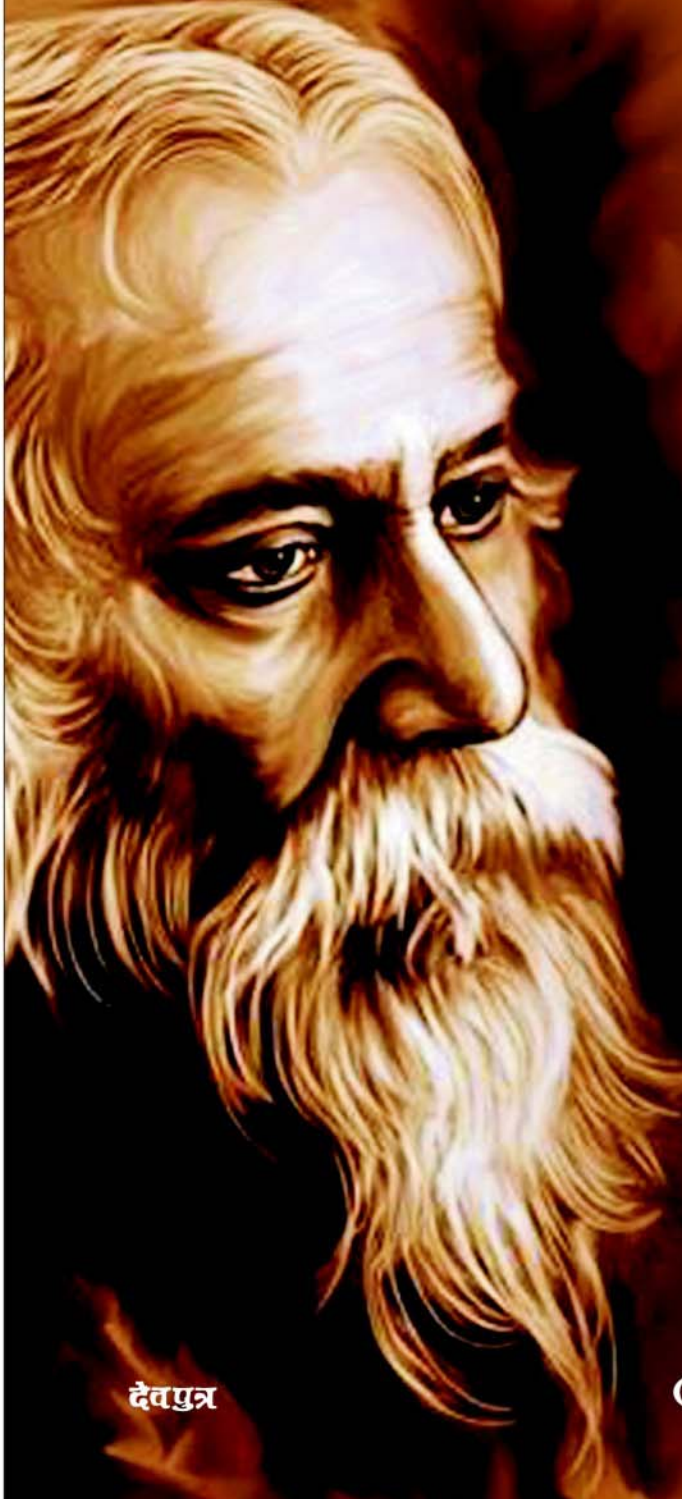

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्यविधाता।।

पंजाब सिंध गुजरात मराठा द्राविड़ उत्कल बंग
विंध्य हिमाचल जमुना गंगा उच्छल जलधितरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मागे,गाहे तव जय गाथा।
जन-गण मंगलदायक जय हे, भारत भाग्यविधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय, जय जय, जय हे।।

अहरह तव आव्हान प्रचारित सुनि तव उदार वाणी
हिंदु बौद्ध सिख जैन पारसिक मुसलमान ख्रिस्तानी
पूरब पश्चिम आसे, तव सिंहासन पासे, प्रेमहार हय गाथा।
जन-गण-ऐक्य विधायक जय हे, भारत भाग्यविधाता
जय हे, जय हे, जय, जय जय, जय हे।।

पतन अभ्युदय-बंधुर पंथा जुग जुग धावित यात्री
हे चिर सारथि तव रथ चक्रे मुखरित पथ दिन-रात्री
दारुण विप्लव माजे, तव शंखध्वनि बाजे,संकट दु:खत्राता
जन-गण दु:ख त्रायक जय हे, भारत भाग्यविधाता
जय हे, जय हे, जय, जय जय, जय हे।।

घोर-तिमिर घन निबिड निशीथे पीडित मूर्च्छित देशे
जाग्रत छिल तव अविचल मंगल नतनयने अनिमेषे
दु:स्वप्ने आतंके, रक्षा करिले अंके, स्नेहमयी तुमि माता
जन-गण-पथ परिचायक जय हे, भारत भाग्यविधाता
जय हे, जय हे, जय, जय जय, जय हे।।

रात्रि प्रभातिल उदिल रवि-च्छवि पूर्व उदयगिरि भाले
गाहे विहंगम पुण्य समीरण नव जीवन रस ढाले
तव करुणा रागे, निद्रित भारत जागे, तव चरणे नत माथा
जय हे, जय हे, जय, जय जय, जय हे।।●

-रवींद्रनाथ ठाकुर